Roll No. ..... Total Pages: 04

4124

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

चतुर्थ प्रश्न पत्र

आधुनिक काव्य

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

इकाई – I

प्र.1 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(अ) 'साकेत' के नवम् सर्ग का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

(ब) 'वेदने तू भी भली बनी।
पाई मैने आज तुझी में अपनी चाह घनी।'
प्रस्तुत पंक्तियाँ किसके, द्वारा कही गई हैं? रचना का नाम भी बताइये।

इकाई – II

(स) घन–तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार
उक्त पंक्ति में 'चपला की रेख' व 'मंद बयार' किसे कहा गया है?

(द) 'श्रद्धा' के चरित्र की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

इकाई – III

(य़) 'राम की शक्ति पूजा' में महाकवि निराला ने राम के व्यक्तित्व के किन गुणों को उजागर किया है?

(र) शक्ति–पूजा के समय अंतिम कमल न मिलने पर राम क्या निर्णय लेते हैं? और क्यों?

इकाई – IV

(ल) कुरूक्षेत्र के तृतीय सर्ग में युद्ध की स्थिति या अनिवार्यता किस आधार पर न्यायोचित मानी गई है?

(व) समझ न पाया कि चल रहा स्वप्न या
जाग्रति शुरू है। इस पंक्ति का आशय लिखिए।

इकाई – V

(श) छायावाद की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ष) नयी कविता की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड– ब

इकाई – I

निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

प्र.2 गत सुकाल के प्रत्यावर्तन है शिखिनर्तन, बरसो।
जड़ चेतन में बिजली भर दो और उद्‌बोधन, बरसो।
चिन्मय बनें हमारे मृण्मय पुलकांकुर बन, बरसो।
मंत्र पढ़ो, छीटें दो, जागे सोये जीवन, बरसो।
घट पूरो त्रिभुवन मानस रस, कन कन छन छन, बरसो
आज भीगते ही घर पहुँचे, जन जन के जन बरसो।

अथवा

प्र.3 दुःख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात
एक परदा यह झीना नील छिपाए हैं जिसमें सुख गात।
पुरातनता का यह निर्मोक, सहन करती न प्रकृति पल एक,
नित्य नूतनता का आनंद किये है, परिवर्तन में टेक।

इकाई – II

प्र.4 न्याय शांति का प्रथम न्यास है जबतक न्याय न आता
जैसा भी हो, महल शांति का, सुदृढ़ नहीं रह पाता।
ऐसी शांति राज्य करती है, तन पर नहीं हृदय पर,
नर के ऊँचे विश्वासों पर, श्रद्धा, भक्ति प्रणय पर

अथवा

प्र.5 कुछ लगा न हाथ, हुआ सहसा स्थिर चंचल मन
ध्यान की भूमि से उतरे, खोले पलक विमल,
देखा, वह रिक्त स्थान, यह जप का पूर्ण समय,
आसन छोड़ना असिद्धि, भर गये नयन द्वय

इकाई – III

प्र.6 समझ न पाया कि चल रहा स्वप्न या जागृति शुरू है,
दिया जल रहा हैं।
पीतालोक प्रसार में काल चल रहा है
आस–पास फैली हुई जग आकृतियाँ
लगती है छपी हुई जड़ चित्रकृतियों सी
अलग व दूर–दूर
निर्जीव।

अथवा

प्र.7 अलस अँगड़ाई लेकर मानो जाग उठी थी वीणा
किलक उठे थे स्वर–शिशु
नीरव पद रखता जालिक मायावी
सधे करों से धीरे धीरे धीरे
डाल रहा था जाल हेम–तारों का।

इकाई – IV

प्र.8 'अंधेरे में' कविता का मूल प्रतिपाद्य समझाइये।

अथवा

प्र.9 'असाध्य वीणा' का केन्द्रीय भाव क्या है? कविता के आधार पर समीक्षा कीजिए।

इकाई – V

प्र.10 प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

प्र.11 'नयी कविता में आधुनिक जीवन की विसंगतियों को नया स्वर मिला हैं'। कथन के आधार पर नयी कविता की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड– स

इकाई – I

प्र.12 'साकेत' के 'नवम् सर्ग' में उर्मिला के विरह वर्णन को समझाइये।

इकाई – II

प्र.13 कामायनी का भाव पक्ष क्या है? विस्तार से समझाइये।

इकाई – III

प्र.14 'कुरूक्षेत्र' में शांति एवं न्याय पर बल दिया गया है। विस्तार से समझाइये।

इकाई – IV

प्र.15 'राम की शक्ति पूजा' कविता को समझाते हुए राम के व्यक्तित्व को उजागर कीजिए।

इकाई – V

प्र.16 छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताओं को बताते हुए वर्तमान में इसकी उपादेयता या महत्ता पर प्रकाश डालिए।